PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Wednesday 8th January 2014, Page: 1
Width: 9.49 cms, Height: 14.26 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-08.54.6

छोटी दवा कंपनियों को मजबूत बनाएगी सरकार

जेनरिक दवाओं के निर्यात में देश की स्थिति मजबूत बनाए रखना मकसद

महेंद्र सिंह ▸ **नई दिल्ली...**

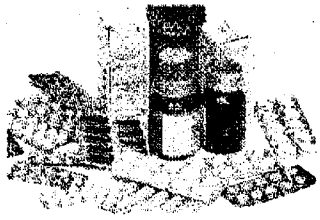

केंद्र सरकार जेनरिक दवाओं के निर्यात में देश की स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए छोटी दवा कंपनियों को तकनीकी तौर पर मजबूत बनाने और इन कंपनियों का कारोबार बढ़ाने पर फोकस कर रही है। दवा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काम करने वाला संगठन फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय के साथ मिल कर एक योजना पर काम कर रहा है।

फार्मेक्सिल के महानिदेशक डॉ पी.वी अप्पाजी ने 'बिजनेस भास्कर' को बताया कि वैश्विक बाजार में जेनरिक दवाओं के निर्यात के मोर्चे पर देश की स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए छोटी दवा कंपनियों को तकनीकी तौर पर आधुनिक बनाए जाने की जरूरत है। इसके अलावा हम छोटी दवा कंपनियों का उत्पादन बढ़ा कर बड़ी कंपनियों की कैटेगरी में लाने पर भी फोकस कर रहे हैं। इस बारे में हम वाणिज्य मंत्रालय के साथ मिल कर एक योजना पर काम कर रहे हैं। अप्पाजी के मुताबिक छोटी दवा कंपनियों को तकनीकी तौर पर आधुनिक बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल्स ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। योजना आयोग इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। अप्पा जी का कहना है कि मौजूदा समय में देश के कुल दवा निर्यात में छोटी दवा कंपनियों का योगदान लगभग 30-37 फीसदी है। वैश्विक बाजार में दवाओं की गुणवत्ता और दवा कंपनियों के मानकों को लेकर कई देश अब कड़ा रुख अपना रहे हैं। ऐसे में अगर छोटी दवा कंपनियां वैश्विक मानकों के अनुरूप गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस नहीं अपनाती हैं तो इससे देश के दवा निर्यात

(शेष पेज 10 पर)